# पाठ्यक्रम–संरचना
## कक्षा – XI (एकादशी)
## विषय – संस्कृतम् (030)

पूर्णाङ्कः – 100

सैद्धान्तिकः–80
प्रायोजना– 20

| क्रमाङ्कः | एककः (इकाई) | पाठ्यवस्तु | आबण्टित–अङ्कः | कालखण्डः |
|---|---|---|---|---|
| 1 | (क) | **अपठित–अवबोधनम्** | **08** | **20** |
| 2 | (ख) | **रचनात्मककार्यम्** | | |
| | | 1. औपचारिकम्/अनौपचारिकं पत्रम, प्रार्थना–पत्रम् | 05 | |
| | | 2. लघुकथा/वार्तालाप एकपक्षपूरणम् | 05 (15) | **30** |
| | | 3. अनुवादः | 05 | |
| 3 | (ग) | **अनुप्रयुक्त–व्याकरणम्** | **20** | **60** |
| 4 | (घ) (i) | **पठित–अवबोधनम्**<br>पाठ्यपुस्तकम् भास्वती प्रथमः भागः<br>(केन्द्रिक–पाठ्यक्रमः)<br>मङ्गलम्<br>1. कुशलप्रशासनम्<br>2. सूक्तिसुधा<br>3. ऋतुचर्या<br>4. वीरः सर्वदमनः<br>5. शुकशावकोदन्तः<br>6. भव्यः सत्याग्रहाश्रमः<br>7. सङ्गितानुरागी सुब्बण्णः<br>8. वस्त्रविक्रयः<br>9. यद्भूतहितं तत्सत्यम्<br>10. स मे प्रियः<br>11. अथशिक्षांप्रवक्ष्यामि | **27** | **85** |
| | (ii) | संस्कृतसाहित्येतिहासस्य परिचयः | 10 | **25** |
| | | **योगः** | **80** | **220** |
| **5.** | (ङ) | प्रायोजनाकार्यम् | **20** | **20** |
| | | **महायोगः** | **100** | **240** |

# प्रश्नपत्र–योजना
## कक्षा – XI (एकादशी)
## विषयः – संस्कृतम् (030)

पूर्णाङ्कः – 80 समयः–03 होराः

''अ'' शैक्षिक–उद्देश्यानुसारम् अङ्कविभाजनम्

| क्र. | शैक्षिक–उद्देश्यम् | वस्तुनिष्ठः/ एक पदेन उत्तरत 01 | अति लघु उत्तरीयः (VSA) 02 | लघु उत्तरीयः (SA) 03 | दीर्घ उत्तरीयः (LA-1) 04 | दीर्घ उत्तरीयः (LA-II) 05 | अति दीर्घ उत्तरीयः (VLA) 08 | आहत्य अङ्काः | % अधिभारः |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | **ज्ञानात्मकम् (Knowledge)** परिभाषा, सिद्धांत, तथ्यों को पहचानना, सूचना इत्यादि पर आधारित सामान्य स्मरण क्षमता पर आधारित प्रश्न | 03 | 02 | 01 | 01 | - | - | 14 | 17.5% |
| 2. | **अवबोधात्मकम् (Understanding)** अर्थ, व्याख्या, अंतर स्पष्ट करना, वैचारिक समझ, भावानुवाद | - | - | - | 03 | - | 01 | 20 | 25% |
| 3. | **अनुप्रयोगात्मकम् (Application)** उदाहरण सहित/संदर्भ और समझ के आधार पर दी गई नयी परिस्थितियों को समझाना/सिद्धांत के समाधान/हल निकालना | 04 | 02 | 01 | 01 | 01 | - | 20 | 25% |
| 4. | **विश्लेषणात्मकम्(Analysis)** [HOTS] वर्गीकृत, तुलनात्मक, व्याख्या विभिन्न स्त्रोतों पर आधारित विशेष जानकारी को समाहित करना/एकीकरण/सुसंगठित करना/अंतर | 03 | - | - | - | 01 | - | 08 | 10% |
| 5. | **मूल्याङ्कनम् (Evaluation)** मूल्यांकन करना/समीक्षा करना/मूल्य निर्धारण/निष्कर्ष निकालना/चयन करना/तर्क आधारित | - | - | 01 | - | 01 | - | 08 | 10% |
| 6. | **रचनात्मकम् (Creation/Creativity)** सृजन करना/पूर्वानुमान/योजना बनाना/परिकल्पना/संगठित करना | - | - | - | - | 02 | - | 10 | 12.5% |
| | **योगः** | **1(10)=10** | **2(4)=8** | **3(3)=09** | **4(5)=20** | **5(5)=25** | **8(1)=8** | 80 | 100% |

"ब" - प्रश्नानुसारं विभाजनम्

| क्र. | प्रश्नानां प्रकाराः | प्रतिप्रश्नम् आबण्टित–अङ्काः | आहत्य प्रश्नाः | आहत्य अङ्काः |
|---|---|---|---|---|
| 1. | वस्तुनिष्ठः/एक पदेन उत्तरत | 01 | 1(10) | 10 |
| 2. | अति लघूत्तरीयः (VSA) | 02 | 04 | 08 |
| 3. | लघूत्तरीयः (SA) | 03 | 03 | 09 |
| 4. | दीर्घोत्तरीयः (LA-I) | 04 | 05 | 20 |
| 5. | दीर्घोत्तरीयः (LA-II) | 05 | 05 | 25 |
| 6. | अतिदीर्घोत्तरीयः (VLA) | 08 | 01 | 08 |
| | | **योगः** | **18+1(10) =19** | **80** |

"स" - काठिन्यस्तरानुसारं विभाजनम्

| क्र. | काठिन्यस्तरः | प्रतिशतम् |
|---|---|---|
| 1. | सरलः (E) | **30%** |
| 2. | माध्यः (AV) | **50%** |
| 3. | कठिनः (D) | **20%** |
| | **योगः** | **100%** |

# ब्लूप्रिंट
## कक्षा – XI (एकादशी)
## विषयः – संस्कृतम् (030)

पूर्णाङ्कः – 80 समयः 03 होराः

| क्र0 | शैक्षिक–उद्देश्यम् | अङ्कानाम् अधिभारः | वस्तुनिष्ठः / एक पदेन उत्तरत 01 | अति लघु उत्तरीयः (VSA) 02 | लघु उत्तरीयः (SA) 03 | दीर्घ उत्तरीयः (LA-1) 04 | दीर्घ उत्तरीयः (LA-II) 05 | अति दीर्घ उत्तरीयः (VLA) 08 | आहत्य अङ्काः | प्रश्नानाम् आहत्य सङ्ख्या |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | **अपठितावबोधनम्** | **08** | **-** | **-** | **-** | **-** | **-** | **01** | **08** | **01(0)** |
| 2. | **रचनात्मकम् कार्यम्** | | | | | | | | | |
| | पत्रलेखनम् | **05** | **-** | **-** | **-** | **-** | **01*** | **-** | **05** | **01(0)** |
| | लघुकथा / वार्तालापः एकपक्षपूरणम् | **05** | **-** | **-** | **-** | **-** | **01*** | **-** | **05** | **01(0)** |
| | अनुवादकार्यम् | **05** | **-** | **-** | **-** | **-** | **01*** | **-** | **05** | **01(0)** |
| 3. | **अनुप्रयुक्त व्याकरणम्** | | | | | | | | | |
| | सन्धिः, शब्दरूपाणि, धातुरूपाणि | **09** | **01** | **01** | **02** | **-** | **-** | **-** | **09** | **03(1)** |
| | अशुद्धिसंशोधनम्, उपपदविभक्तिः | **05** | **01** | **-** | **-** | **01*** | **-** | **-** | **05** | **01(1)** |
| | प्रत्ययः, वाच्यम् | **06** | **02** | **-** | **-** | **01*** | **-** | **-** | **06** | **01(2)** |
| 4. | **(i) पठित अवबोधनम् पाठ्यपुस्तक–आधारितम्** | | | | | | | | | |
| | गद्याधारित– **अवबोधनम्** | **05** | **1** | **-** | **-** | **01*** | **-** | **-** | **05** | **01(1)** |
| | पद्याधारित– **अवबोधनम्** | **05** | **1** | **-** | **-** | **01*** | **-** | **-** | **05** | **01(1)** |
| | नाट्यधारित– **अवबोधनम्** | **05** | **1** | **-** | **-** | **01*** | **-** | **-** | **05** | **01(1)** |
| | प्रश्नोत्तरलेखनम् / प्रश्ननिर्माणम् | **05** | **-** | **-** | **-** | **-** | **01*** | **-** | **05** | **01(0)** |
| | सुभाषितम् / अन्वय–लेखनम् | **05** | **-** | **-** | **-** | **-** | **01*** | **-** | **05** | **01(0)** |
| | कथनसम्बन्धादयः | **02** | **-** | **01** | **-** | **-** | **-** | **-** | **02** | **01(0)** |
| | **(ii)संस्कृत–साहित्येतिहासः** | **10** | **03** | **02** | **01** | **-** | **-** | **-** | **10** | **03(3)** |
| | **महायोगः** | **80** | **1(10) =10** | **2(4) =8** | **3(3) =09** | **4(5) =20** | **5(5) =25** | **8(1) =08** | **80** | **18+1 (10)=19** |

**अवधेयांश :–**

1. वस्तुनिष्ठप्रश्नानां खण्डद्वयं भवेत्। खण्ड 'अ' इत्यस्मिन् पञ्च बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः (MCQ) तथा च खण्ड ''ब'' इत्यस्मिन् पञ्च एक पदेन उत्तरत प्रश्नाः (OWA) भवेयुः।
2. * तारांकितप्रश्नेशु आन्तरिकविकल्प–प्रश्नाः दातव्याः।
3. महायोगेकोष्ठकाद् बाहिस्थाः सङ्ख्याः प्रतिप्रश्नम् अङ्कान् प्रदर्शयन्ति तथा च अन्तःस्थाः सङ्ख्याः प्रश्नानां सङ्ख्याः प्रदर्शयन्ति।

# प्रश्नपत्र–संरचना
## कक्षा–XI (एकादशी)
## विषयः–संस्कृतम् (030)

पूर्णाङ्कः – 100 समयः 3 होराः

1. एकः प्रश्नः वस्तुनिष्ठः एकपदेनप्रश्नानां समुच्चयः भवेत्। यस्य खण्डद्वयं भवेत्–

   (i) **खण्ड–''अ''** इत्यस्मिन् **क्र. 01 तः 05** पर्यन्तं (**MCQ**) बहुविकल्पीयप्रश्नाः भवेयुः। यत्र प्रतिप्रश्नं 01 अंकः निर्धारितः। (1× 5 = 5)

   (ii) **खण्ड–''ब'' इत्यस्मिन् पञ्च** एकपद–उत्तरीयप्रश्नाः (**OWA**) भवेयुः। यत्र प्रतिप्रश्नं 01 अंकः निर्धारितः। (1× 5 = 5)

2. चत्वारः प्रश्नाः अतिलघुत्तरीय–प्रश्नाः भवेयुः। यत्र प्रतिप्रश्नं अङ्कद्वयं भवेत्। (2× 4 = 8)
3. त्रयः प्रश्नाः लघुत्तरीय–प्रश्नाः भवेयुः। यत्र प्रतिप्रश्नं अङ्कत्रयं भवेत्। (3× 3 = 9)
4. पञ्च प्रश्नाः सविकल्प–दीर्घोत्तरीय–प्रश्नाः भवेयुः। यत्र प्रतिप्रश्नं 04 अङ्काः भवेयुः। (4× 5 = 20)
5. पञ्च प्रश्नाः सविकल्प–दीर्घोत्तरीय–प्रश्नाः भवेयुः। यत्र प्रतिप्रश्नं 05 अङ्काः भवेयुः। शब्द सीमा 75–100 शब्दाः भवेयुः। (5× 5 = 25)
6. एकः प्रश्नः सविकल्प–अतिदीर्घोत्तरीय–प्रश्नः भवेत्। यस्मिन् 08 अङ्काः भवेयुः। यस्य खण्डद्वयं भवेत्– (4× 2 = 8)

   (i) **खण्ड–''अ'' इत्यस्मिन्** 04 अङ्काः

   (ii) **खण्ड–''ब'' इत्यस्मिन्** 04 अङ्काः

# पाठ्यक्रमः
## कक्षा – XI (एकादशी)
## विषयः – संस्कृतम् (030)

पूर्णाङ्कः – 80 समयः 03 होराः

| क्र0 | शैक्षिक–उद्देश्यम् | पाठ्यविन्दवः | अङ्काधिभारः |
|---|---|---|---|
| 1. | अपठितावबोधनम् | 1. एकपदेन उत्तरम्। 5. सर्वनामस्थाने संज्ञाप्रयोगः।<br>2. पूर्णवाक्येन उत्तरम्। 6. विशेषणविशेष्यपदचयनम्।<br>3. समुचितशीर्षकलेखनम्। 7. पर्यायपदविलोमपदचयनम्।<br>4. वाक्ये कतृक्रियापदचयनम्। | 08 |
| 2. | रचनात्मकम् कार्यम् | 1. औपचारिकम् अनौपचारिकं पत्रम्/प्रार्थनापत्रम्।(मञ्जूषायाः सहायतया पूर्णं पत्रं लेखनीयम्)<br>2. लघुकथा (मञ्जूशायाः साहाय्येन रिक्तस्थानपूतिमाध्यमेन)/वार्तालापे एकपक्षपूरणम्।<br>3. हिन्दीभाषया आङ्ग्लभाषया वा लिखितानां पञ्च सरलवाक्यानां संस्कृतभाषया अनुवादः। | 15 |
| 3 | अनुप्रयुक्त व्याकरणम् | सन्धिः–पाठ्यपुस्तके प्रयुक्तशब्दानां सन्धिविच्छेदः सन्धिकरणं च।<br>1. स्वरसन्धिः–दीर्घ, गुण, वृद्धि, यण, अयादि<br>2. व्यञ्जनसन्धिः–श्चुत्वम्, ष्टुत्वम्, जश्त्वम्, अनुस्वारः, परसवर्णः।<br>3. विसर्गसन्धिः–सत्वम्, उवतम्, लोपः।<br>प्रत्ययः–प्रकृतिप्रत्ययययोजनं वियोजनं च।<br>क्त्वा, तुमुन्, ल्यप्, क्त, क्तवतु, तव्यत्, अनीयर्।<br>शब्दरूपाणि–विभक्त्यनुसारं वाक्यप्रयोगः।<br>बालक, फल, रमा, कवि, मति, वारि, नदी, शिशु, धेनु, मधु, पितृ, मातृ, एवं समानान्तरप्रयोगाः।<br>सर्व, तत्, यत्, किम्, इदम् (त्रिशु लिङ्गेशु), अस्मद्, युश्मद्।<br>धातुरूपाणि– पञ्च लकारेशु अधोलिखितधातुनां वाक्यप्रयोगः।<br>परस्मैपदिनः–भू, कृ, पा, स्था, दृश्, अस्, कथ्, भक्ष्, घ्रा, क्रुध्, हन्, श्रु, क्री, ग्रह्।<br>आत्मनेपदिनः–लभ्, सेव्, मुद्, याच्।<br>उपपदविभक्तिप्रयोगः–सामान्यप्रयोगाः।<br>सामान्यं वाच्यपरिवर्तनम्–लट्लकारे, क्तक्तवतुप्रत्यययोः माध्यमेन भूतकालार्थे।<br>अशुद्धिसंशोधनम्–लिङ्गवचनविभक्तिपुरुषकालाधारितम्। | 20 |
| 4 | पठित–अवबोधनम् | गद्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्।<br>भाषिककार्यम्–वाक्ये कर्तृक्रियापदचयनम्।<br>विषेशणविशेष्यपदचयनम्।<br>पर्यायवियोमविलोमपदचयनम्।<br>सर्वनामस्थाने संज्ञाप्रयोगः।<br>पद्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्।<br>भाषिककार्यम्–वाक्ये कर्तृक्रियापदचयनम्।<br>विषेशणविशेष्यपदचयनम्।<br>पर्यायवियोमविलोमपदचयनम्।<br>सर्वनामस्थाने संज्ञाप्रयोगः।<br>नाट्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्।<br>भाषिककार्यम्–वाक्ये कर्तृक्रियापदचयनम्।<br>विषेशणविशेष्यपदचयनम्।<br>पर्यायवियोमविलोमपदचयनम्।<br>सर्वनामस्थाने संज्ञाप्रयोगः।<br>प्रदत्तेशु अन्वयेशु रिक्तस्थानपूतिः<br>कथनसम्बन्धादयः।<br>सुभाषित/अन्वय लेखनम<br>प्रश्नोत्तरलेखनम्/प्रश्ननिर्माणम्।<br>प्रदत्तपङ्क्तिशु प्रसङ्गानुसारं पदानाम् अर्थचयनम्। | 27 |
| 5 | संस्कृत–साहित्येतिहासस्य सामान्यः परिचयः | संस्कृतभाषायाः उद्भवः विकासश्च, पाठ्यपुस्तकस्थपाठानां सन्दर्भग्रन्थाः रचयितारश्च।<br>वैदिकसाहित्यं (वेदाः, ब्राह्मणाः, आरण्यकानि, उपनिशदः, वेदाङ्गानि)।<br>रामायणं, महाभारतं, पुराणानि च। | 10 |
| | | योगः | 80 |

# प्रायोजनाकार्यम् (Project Work)
## कक्षा–XI (एकादशी)
## विषयः–संस्कृतम् (030)

पूर्णाङ्कः– 20 समयः होराद्वयम् (02 घण्टे)

### मूल्याङ्कन–योजना

| स.क्र. | विषयवस्तु | अङ्कः |
|---|---|---|
| 01 | प्रायोजना अभिलेखः<br>**(i) पाठ्यपुस्तकाधारितं न्यूनतमम् एकम्**<br>(पञ्च श्लोकानां सङ्कलनम् / पर्यायपदानांविपर्ययपदानां च शब्दयुग्मानां सङ्कलनम् ।)<br>**(ii) व्याकरणाधारितं न्यूनतमम् एकम्**<br>(स्वपाठ्यपुस्तकात् वाक्यानि उद्धृत्य तत्रस्थ–क्रियापदकर्तृपदयुग्मानां वर्गीकरणम् / उपपदविभक्तिः, वाच्यम् इत्यादीनांचित्रमाध्यमेन अन्यमाध्यमेन वा प्रदर्शनम् ।)<br>**(iii) रचनात्मकाधारितं न्यूनतमम् एकम्**<br>(स्वपरिवारपरिचयः / संस्कृतभाषयाः उपादेयता / छत्तीसगढस्य प्राकृतिकसौन्दर्यस्य वर्णनम् ।)<br>**(iv) शब्दकोषाधारितं न्यूनतमम् एकम्**<br>(हिन्दी अर्थसहितं क्रियापदकोशनिर्माणम् / अव्ययपदानां सङ्कलनम् इत्यादयः ।) | **05** |
| 02 | **अभिलेखाधारित–लिखितपरीक्षा (उपर्युक्तचतर्षु कयोश्चिद् द्वयोः)** (5×2) | **10** |
| 03 | **मौखिकी परीक्षा**<br>(कक्षास्तरानुसारं संस्कृतविषये सामान्यमौखिकपरीक्षा) | **05** |
| | आहत्य अङ्काः – | **20** |

टीप :– 1. सञ्चिका (फाईल) निर्माणम् – जूनतः दिसम्बरमासपर्यन्तम्
2. मौखिकी परीक्षा – जनवरी मासे यथावसरे
3. लिखित परीक्षा – जनवरी मासे यथावसरे होराद्वयम् (दो घण्टे)

प्रश्नपत्र योजना
कक्षा–11वीं
विषय एवं विषय कोड – संस्कृत (030)

कुल अंक 100

सैद्धान्तिक – 80
प्रायोजना कार्य– 20

1. प्रश्न क्र. 1 वस्तुनिष्ठ प्रष्न है जिसमें दो खण्ड होंगे :–
   (i) ''खण्ड–अ'' बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे। (MCQ) जिसमें प्रत्येक में 01 एक अंक निर्धारित है।
   (ii) ''खण्ड–ब'' एकपद में उत्तर वाले प्रश्न होंगे। (VSA) एक शब्द में उत्तर जिसमें प्रत्येक में 01 एक अंक निर्धारित है।

2. प्रश्न क्र. 02 से प्रश्न क्र. 05 तक लघूत्तरीय (SA-I) जिसमें प्रत्येक में 02 अंक निर्धारित है।

7. प्रश्न क्र. 06 से प्रश्न क्र. 08 लघूत्तरीय प्रश्न (SA-II) होगें, प्रत्येक में 03 अंक निर्धारित है।

8. प्रश्न क्र. 09 से प्रश्न क्र. 13 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्न (LA-I) होगें, प्रत्येक में 04 अंक निर्धारित है। जिसमें प्रत्येक में आन्तरिक विकल्प होंगे।

9. प्रश्न क्र.–14 से प्रश्न क्र. 18 तक दीर्घउत्तरीय (LA-II) होगें, जिसमें प्रत्येक में 05 अंक निर्धारित है। जिसमें प्रत्येक में आन्तरिक विकल्प होंगे।

10. प्रश्न क्र. 19 अति दीर्घउत्तरीय प्रश्न (VLA) है, जो दो खण्डों में होगा। प्रत्येक खण्ड में 04–04 अंक होंगे। जिसके आंतरिक विकल्प रहेंगे।

संयोजक
हस्ताक्षर–